Internal Committee Report, 2024 - 25

The Internal Committee of the Institute of Home Economics, University of Delhi, earlier known as the Internal Complaints Committee, works towards creating safe environment for both the faculty and the students.In addition to the two big billboards depicting important information related to POSH Act, the committee from time to time keeps putting up posters and other relevant information material for creating awareness.

On 23rd October 2024, the Internal Complaints Committee invited Dr. Ellina Samantroy Jena, a gender expert and faculty at the V.V. Giri National Labour Institute affiliated to Ministry of Labour and Employment. The workshop was titled: *Promoting Gender Equality at Workplace.*

Dr. Samantroy Jena touched upon various domains related to Gender Equality at the Workplace. From tracing the trajectory of gender differential employment trends across the globe, to highlighting the key international labour standards on gender equality, she touched upon both visible and invisible forms of discrimination women encounter in their workspace.

Locating her talk centrally on POSH i.e Prevention of Sexual Harassment, she extensively discussed the numerous dimensions of the Sexual Harassment of Women at the Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013. Deliberating on POSH Act, she mentioned what includes sexual harassment, employer's responsibilities, redressal mechanisms that includes roles/responsibilities and powers of the redressal committee, the diverse challenges/ barriers that arise in the execution of the Act and finally suggesting a way forward towards its better implementation at the ground.

The talk became interactive and engaging for the audience in the kind of examples she quoted from the different cases she was associated with. The Q&N session involved active participation of the students and staff who were able to articulate their qualms and queries about the Act. The talk was held at the college premises and was live telecasted on the IHE YouTube channel for wider reach and participation of the staff (teaching & non-teaching) and students.

In addition to the above event, an interactive session was conducted on 10 March, 2025 titled *'Working with Students'*. The session was organized to orient and sensitise the non– teaching staff about ways to deal with the students in a professional way. There were two sessions - one with the administrative staff, computer department staff, security, *safai karamcharis*, gardeners, canteen staff. The other session was with the finance department. The sessions had considerable number of non-teaching staff across different departments who participated in the session. The session was engaging and interactive that entailed important dialogues and discussions the staff members had with the members of IC.

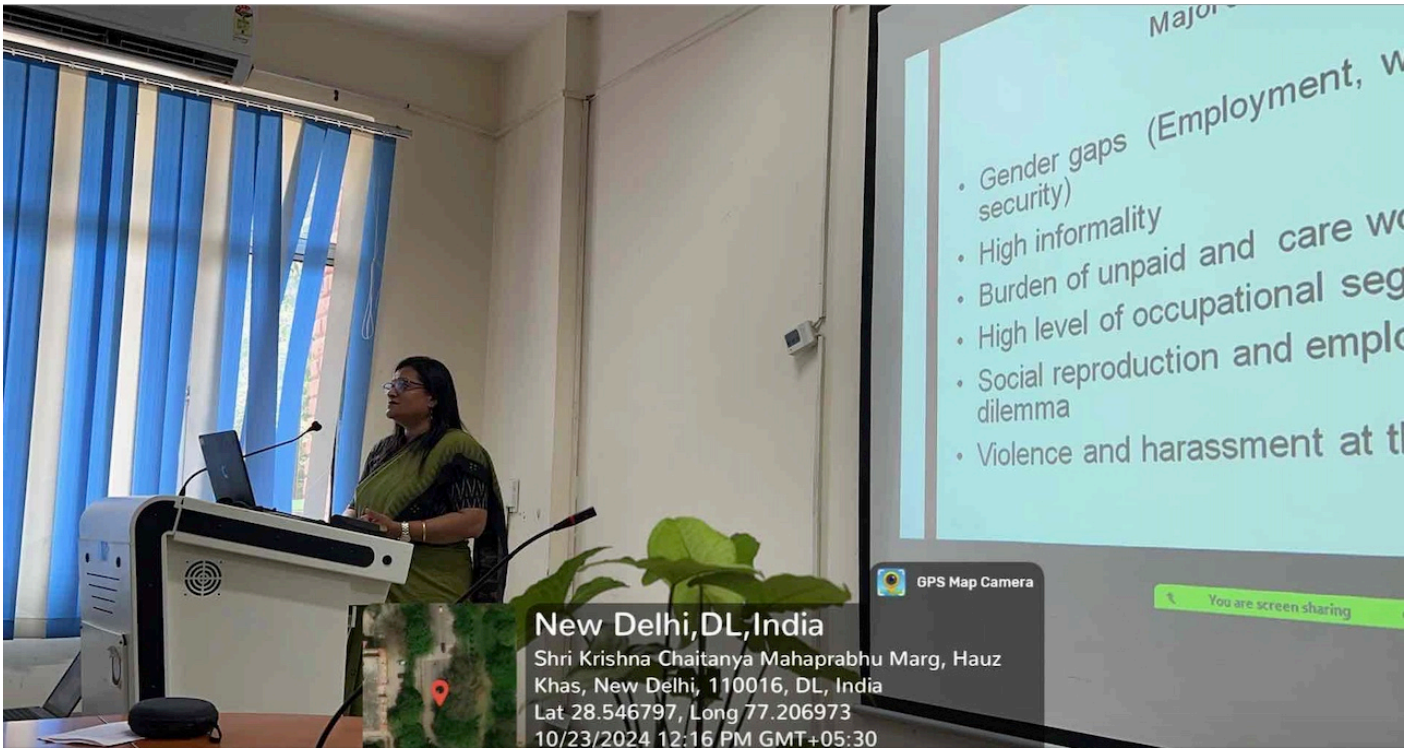

Workshop on '*Promoting Gender Equality at Workplace'* by Dr. Ellina Samantroy Jena on 23rd Oct. ,2025

Interactive session on 10th March, 2025 titled '*Working with Students'*

आंतरिक समिति की रिपोर्ट, 2024 - 25

दिल्ली विश्वविद्यालय के अधीन इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स की आंतरिक समिति, जिसे पहले आंतरिक शिकायत समिति (Internal Complaints Committee) के रूप में जाना जाता था, संकाय और छात्रों दोनों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में कार्य करती है। POSH अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दर्शाते हुए दो बड़े होर्डिंग्स के अतिरिक्त, समिति समय-समय पर जागरूकता फैलाने हेतु पोस्टर और अन्य संबंधित जानकारीयुक्त सामग्री भी लगाती रहती है।

23 अक्टूबर 2024 को आंतरिक शिकायत समिति ने डॉ. एलीना समंत्रॉय जेना को आमंत्रित किया, जो एक जेंडर विशेषज्ञ हैं और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान में अध्यापन करती हैं। इस कार्यशाला का शीर्षक था: "कार्यस्थल पर लैंगिक समानता को बढ़ावा देना।"

डॉ. समंत्रॉय जेना ने कार्यस्थल पर लैंगिक समानता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैश्विक स्तर पर रोजगार में लिंग आधारित असमानताओं की प्रवृत्ति को रेखांकित करते हुए अंतरराष्ट्रीय श्रम मानकों पर भी चर्चा की। साथ ही उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले प्रत्यक्ष और परोक्ष भेदभाव के उदाहरणों को भी स्पष्ट किया।

अपने व्याख्यान को POSH यानी यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर केंद्रित करते हुए, उन्होंने "कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि यौन उत्पीड़न की परिभाषा क्या है, नियोक्ता की जिम्मेदारियाँ क्या होती हैं, निवारण तंत्र में समिति की भूमिकाएँ/दायित्व एवं शक्तियाँ क्या होती हैं, इस अधिनियम के कार्यान्वयन में उत्पन्न होने वाली विविध चुनौतियाँ क्या हैं, और अंततः इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए क्या समाधान हो सकते हैं।

यह व्याख्यान अत्यंत संवादात्मक और प्रभावशाली रहा क्योंकि उन्होंने ऐसे मामलों के उदाहरण प्रस्तुत किए जिनसे वे स्वयं जुड़ी थीं। प्रश्नोत्तर सत्र में छात्रों और स्टाफ की सक्रिय भागीदारी रही, जिन्होंने अधिनियम से संबंधित अपने संदेह और प्रश्न खुलकर साझा किए। यह व्याख्यान महाविद्यालय परिसर में आयोजित हुआ और इसे व्यापक पहुंच के लिए IHE के यूट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारण किया गया, जिससे शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ और छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित हो सकी।

उपरोक्त के अतिरिक्त, 10 मार्च 2025 को "छात्रों के साथ कार्य करना" विषय पर एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का उद्देश्य गैर-शिक्षण स्टाफ को छात्रों के साथ व्यावसायिक ढंग से व्यवहार करने के तरीकों के प्रति संवेदनशील बनाना था। दो सत्र आयोजित किए गए—एक कार्यालय स्टाफ, कंप्यूटर विभाग, सुरक्षा कर्मी, सफाई कर्मचारी, माली, और कैंटीन स्टाफ के लिए तथा दूसरा वित्त विभाग के लिए। लगभग सभी सदस्यों ने इन सत्रों में भाग लिया और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

IHE
कर्तव्यं सर्वं साधकम्